بسمه تعالی

**«فرم وجین»**

جهت هماهنگی و یکپارچگی امر وجین با در نظر گرفتن معیارهای ذیل اقدام گردد:

1. کهنگی و منسوخ شدن محتوا به لحاظ دریافت ویرایش جدیدتر، ارائه افکار و ایده های نو
2. نسخه های مکرر: وجود نسخه های تکراری و مازاد که در حال حاضر نسخه های کمتر آن جوابگوی نیاز مراجعان می باشد.
3. فرسودگی و نقصان: به لحاظ فیزیکی، غیر قابل صحافی و مرمت و نیز پارگی و مخدوش بودن بخش هائی از کتاب.
4. عدم استفاده: حداقل سه سال مورد استفاده نگرفته باشد
5. «مورد دار» بودن: به لحاظ مسائل دینی، اخلاقی، سیاسی، تصاویر و...

\*\* تبصره: مورد اشکال با ذکر صفحه در خانه مربوطه مشخص شود.

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| **ردیف** | **عنوان** | **مولف/مترجم** | **سال نشر** | **شماره ثبت** | **علت وجین** | | | | |
| **1** | **2** | **3** | **4** | **5** |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |

**متصدی میز امانت تایید مسئول کتابخانه مسئول مالی واحد رئیس دانشکده یا مرکز**